



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 388] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 5, 1977/अग्रहायण 14, 1899

No. 388] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 5, 1977/AGRAHAYANA 14, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th December 1977

G.S.R. 732(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (i) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) at pages 2215—2217 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i) under the notification of Government of India, in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) G.S.R. No. 703(E) dated 16th November, 1977 inviting suggestions/objections from the persons likely to be affected thereby till 26th November, 1977;

And whereas the said gazette was made available to the public on 16th November, 1977;

And whereas objections/suggestions received from the public on the said draft notification have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the

Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely—

Rules

1. (i) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Fifth Amendment) Rules 1977.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955,—

(i) after rule 42(O), the following shall be inserted, namely —

“(P) Every package containing an admixture of imported rapeseed oil with mustard oil, shall carry the following label, namely—

Blend of imported rapeseed oil and mustard oil	
Imported rapeseed oil	percent
Mustard oil	percent.

(ii) in rule 44,—

(a) in the last proviso, for the words “Provided also”, the words “Provided further” shall be substituted,

(b) after the existing proviso the following proviso shall be inserted namely —

“Provided also that clause (e) shall remain inoperative for a period of one year from the date of commencement of the Prevention of Food Adulteration (Fifth Amendment) Rules, 1977, in respect of admixture of imported rapeseed oil with mustard oil, where,—

(a) the proportion of mustard oil in the admixture is not less than 20 per cent by weight,

(b) the admixture is processed and sold by the Department of Civil Supplies of the Government of India or the authorised agents of that Department, and

(c) the quality of imported rapeseed oil and the mustard oil in the admixture conforms to the standards prescribed by the Central Government.”

[No. P 15014/8/77-PH(F&N)]

K P SINGH, Addl Secy

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1977

सांकांनि० 732(अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (i) द्वारा अपेक्षित के अनुसार, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (i) में पृष्ठ 2215—2217 पर, भारत सरकार के स्वास्थ्य

श्रीर परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं० सांकां० 703(अ), तारीख 16 नवम्बर, 1977 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था और उन व्यक्तियों से, जिनके उन नियमों से प्रभावित होने की संभावना थी, आपत्तियाँ/सुझाव 26 नवम्बर, 1977 तक मागे गए थे,

और उक्त राजपत्र 16 नवम्बर, 1977 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था,

और उक्त अधिसूचित प्रारूप की बाबत जनता ने प्राप्त आपत्तियों/सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श कर लेने के पश्चात्, खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

नियम

1 (i) इन नियमों का नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (पाँचवाँ संशोधन) नियम, 1977 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में,—

(i) नियम 42(ण) के पश्चात्, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“(त) सरसों के तेल के साथ आयातित रेपसीड के तेल के मिश्रण के प्रत्येक पकेज पर निम्नलिखित लेबल लगाया जाएगा, अर्थात् —

आयातित रेपसीड तेल और सरसों के तेल का मिश्रण	
आयातित रेपसीड तेल	प्रतिशत
सरसों तेल	प्रतिशत

(ii) नियम 44 में,—

(क) अंतिम परन्तुक में “परन्तु यह और भी” शब्दों के स्थान पर “परन्तु यह और” शब्द रखे जाएंगे,

(ख) विद्यमान परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित परन्तुक प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्,—

“परन्तु यह और भी कि सरसों के तेल के साथ आयातित रेपसीड तेल के मिश्रण के संबंध में, खाद्य अपमिश्रण निवारण (पाँचवाँ संशोधन) नियम, 1977

के प्रारम्भ की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक, खंड (इ) अप्रवर्तनशील रहेगा, यदि—

- (क) मिश्रण में सरसों के तेल का भाग, भार के 20 प्रतिशत से अन्यून नहीं है ;
- (ख) मिश्रण, भारत सरकार के नागरिक पूर्ति विभाग अथवा उसके प्राधिकृत अभिकर्तियों द्वारा प्रसंस्कृत किया और बेचा जाता है, और
- (ग) मिश्रण में आयातित रेपसीड तेल और सरसों का तेल भारत सरकार द्वारा विहित मानकों के अनुरूप है।”

[सं० पी० 15014/8/77-पी०एच० (एफ एड एन)]

के० पी० सिंह, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977